Shab E Barat Namaz | Shab E Barat Ki Ibadat Ka Tarika

February 3, 2025 by Naat Raza

Shab E Barat Ki 6 Rakat Nafil Namaz Ka Tarika – सही तरीका जानिए

आज़ इस खूबसूरत पैगाम में आप शबे बरात की 6 रकात नफ्ल नमाज का सही तरीका जानेंगे इस नमाज़ को हम सब शबे बरात की रात मगरिब की नमाज अदा करने के बाद पढ़ते हैं जो बहुत ही रहमत व बरकत भरी नमाज है।

आज इसी नमाज को अदा करने का सही और दुरूस्त तरीका आप जानेंगे जिसे आप आसानी से शबे बरात की 6 रकात नफ्ल नमाज अदा कर सकेंगे, इसीलिए आप इस पैग़ाम को ध्यान से पुरा आखिर तक पढ़ें।

Table Of Contents Show
Shab E Barat Ki 6 Rakat Nafil Namaz Ka Tarika
शबे बरात की 6 रकात नफ्ल नमाज भी आप बाकी नफ्ल नमाज की तरह ही पढ़ें 3 बार में 2-2 रकात करके पुरा 6 रकात नमाज मुकम्मल करें लेकीन इससे पहले कुछ नियत और दुआ करनी है जो हम आप को नीचे बताए हैं।

Table of Contents

1. Shab E Barat Ki 6 Rakat Nafil Namaz Ka Tarika
    1.1. पहली 2 रकात नफ्ल नमाज
    1.2. दुसरी 2 रकात नफ्ल नमाज
2. तीसरी 2 रकात नफ्ल नमाज
3. Shab E Barat Ki 6 Rakat Nafil Namaz Ki Niyat
4. दुआ ए निस्फ शाबान न आए तो ऐसे दुआ करें।
5. आख़िरी बात

Shab E Barat Ki 6 Rakat Nafil Namaz Ka Tarika

पहला 2 रकात नफ्ल नमाज

सबसे पहले 2 रकात नमाज शुरू करने से पहले अपने रब से अर्ज करें कि ऐ अल्लाह इन दो रकात की बरकत से मुझे उम्र दराज और खैरो बरकत अता फरमा इसके बाद 2 रकात अदा करें।

जब 2 रकात मुकम्मल हो जाए तो बैठ कर सूरह यासीन शरीफ एक बार और 21 बार सूरह इखलास फिर एक दुआ ए निस्फ शाबान पढ़ें यह दुरूस्त है।

दुसरी 2 रकात नफ्ल नमाज

इसके बाद दो रकात पढ़ने से पहले यह अर्ज़ करें कि ऐ अल्लाह इन दो रकात की बरकत से हर तरह की बला से हिफाजत फरमा इसके बाद 2 रकात नफ्ल नमाज पढ़ें।

यहां भी जब दो रकात नमाज मुकम्मल हो जाए तो बैठ कर 1 बार सूरह यासीन शरीफ 21 बार सूरह इखलास और एक बार दुआ ए निस्फ शाबान पढ़ें।

तीसरी 2 रकात नफ्ल नमाज

यहां पर नमाज शुरू करने से पहले अपने रब से यह अर्ज़ करें कि ऐ मेरे अल्लाह इन 2 रकात नमाज की बरकत से मुझे सिर्फ अपना मोहताज रख गैरों की मोहताजी से बचा।

इसके बाद यहां भी नमाज मुकम्मल करने के बाद सूरह यासीन शरीफ एक बार और 21 बार सूरह इखलास और एक बार दुआ ए निस्फ शाबान पढ़ें।

इस तरह से नमाज अदा करने पर आपने जाना ही की हर 2 रकात के बाद 1 एक बार सूरह यासीन शरीफ पढ़ना है, फिर 21 मरतबा सूरह इखलास यानी कुल हु अल्लाहु शरीफ पढ़ना होगा और एक बार दुआ ए निस्फ शाबान भी पढ़ना है।

Shab E Barat Ki 6 Rakat Nafil Namaz Ki Niyat

आप यहां पर ध्यान दें कि इस 6 रकात नमाज को 2 – 2 रकात की नियत से 3 बार में पुरा 6 रकात मुकम्मल करना है इसीलिए आप यहां इस तरह से नियत करें।

नियत की मैने 2 रकात नमाज शबे बरात की नफ्ल वास्ते अल्लाह तआला के मूंह मेरा काअबा शरीफ की तरफ अल्लाहु अकबर।

आप इसी तरह 2 – 2 रकात की नियत कर के पुरा 6 रकात 3 सलाम में मुकम्मल करें और हर दो रकात के बाद 1 बार सूरह यासीन शरीफ 21 बार सूरह इखलास और 1 बार दुआ ए निस्फ ज़रूर पढ़ें।

अगर आप 2 रकात नफ्ल नमाज का तरीका में जानना चाहते है तो आप यहा पर 2 रकात नफ्ल नमाज पढ़ने का तरीका पर क्लिक करके जान लें।

दुआ ए निस्फ शाबान न आए तो ऐसे दुआ करें।

अगर दुआ ए निस्फ अरबी में पढ़ने में आसानी महसूस नहीं हो या लफ्ज़ों का सही अदाएगी न हो सके तो आप इस दुआ का तरजूमा इस तरह पढ़ें।

ऐ मेरे अल्लाह तू ही सब पर एहसान करने वाला है और तुझ पर कोई एहसान नहीं कर सकता ऐ बुजुर्गी और मेहरबानी रखने वाले और ऐ बख्शिश का का इनाम करने वाले तेरे सिवा कोई माबूद नहीं तू ही गिरतों को थामने वाला है बेपनाहों को पनाह देने वाला है और परेशान हालों का सहारा है।

ऐ अल्लाह अगर तूने मुझे पा उम्मुल किताब में भटका हुआ या महरूम या कम नसीब लिख दिया है तो ऐ अल्लाह अपने फज्ल से मेरी खवारी बद बख्ती रांदगी और रोज़ी की कमी को मिटा दे और अपने उम्मूल किताब में मुझे खुश नसीब वसीअ रिज्क और नेक कर दे।

बेशक तेरा यह कहना तेरी किताब में जो तेरे नबी सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम के जरिए हमें पहुंची है सच है कि अल्लाह जो चाहता है बना देता है और उसी की के पास उममुल किताब है ऐ खुदा तजल्ली आज़म का सदका इस निस्फ शाबान मुकर्रम की रात में जिसमें तमाम चीजों की तकसीम व निफाज़ होता है।

मेरी बलाओं को दूर कर ख्वाह मैं इन को जानता हूं या न जानता हूं और जिनसे तू वाकिफ है। बेशक तू ही सबसे बरतर और बढ़ कर एहसान करने वाला है अल्लाह की रहमत व सलामती हो हमारे सरदार मुहम्मद सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम पर और उनकी आल व औलाद और सहाबा पर आमीन।

आख़िरी बात

आप ने इस पैग़ाम में शबे बरात की 6 रकात नफ्ल नमाज पढ़ने का सही तरीका बहुत ही आसान लफ्ज़ों में पढ़ा, यकिनन इसके बाद आप आसानी से शबे बरात की रात में 6 रकात मगरिब बाद नफ्ल नमाज पढ़ लेंगे, आप यह नमाज ज़रूर पढ़ें जिससे आप अपना हर ख्वाहिश पुरी कर सकें।

अगर अभी भी आपके जहन में कोई सवाल आ रहा हो तो आप हमसे कॉमेंट करके ज़रूर पूछें हम आपके सवाल का उत्तर जल्द पेश करने की कोशिश ज़रूर करेंगे क्योंकी मेरा मकसद शुरू से अभी तक यही है कि हम आपको पुरा इल्म आसान लफ्ज़ों में बता पाएं और आप समझ जाएं।

अगर यह पैगाम आपको अच्छा लगा हो यानी इस पैग़ाम से कुछ भी आपको हासिल हुई हो तो बराए मेहरबानी सभी आशीके रसूल को जरूर बताएं जिससे वो भी शबे बरात की रात इबादत में गुजार कर अपने नामाए अमाल में नेकियों का इज़ाफा कर के और मगफिरत करा सकें।

Dua Nisf Sha'ban

اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى سَيِّدِنَا وَ مَوْلَانَا مُحَمَّدٍ مَّعْدِنِ الْجُوْدِ وَ الْكَرَمِ وَ اٰلِهٖ وَ بَارِكْ وَ سَلِّمْ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

اَللّٰهُمَّ يَا ذَا الْمَنِّ وَلَا يُمَنُّ عَلَيْهِ، يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ يَا ذَا الطَّوْلِ وَالْاِنْعَامِ، لَآ اِلٰهَ اِلَّآ اَنْتَ ظَهْرُ اللَّاجِيْنَ، وَجَارُ الْمُسْتَجِيْرِيْنَ، وَاَمَانُ الْخَآئِفِيْنَ، اَللّٰهُمَّ اِنْ كُنْتَ كَتَبْتَنِيْ عِنْدَكَ فِيْ اُمِّ الْكِتٰبِ شَقِيًّا اَوْ مَحْرُوْمًا اَوْ مَطْرُوْدًا اَوْ مُقَتَّرًا عَلَيَّ فِي الرِّزْقِ فَامْحُ، اَللّٰهُمَّ بِفَضْلِكَ شَقَاوَتِيْ وَحِرْمَانِيْ وَطَرْدِيْ وَاقْتِتَارَ رِزْقِيْ، وَ اَثْبِتْنِيْ عِنْدَكَ فِيْ اُمِّ الْكِتٰبِ سَعِيْدًا مَّرْزُوْقًا مُّوَفَّقًا لِّلْخَيْرَاتِ، فَاِنَّكَ قُلْتَ وَقَوْلُكَ الْحَقُّ فِيْ كِتَابِكَ الْمُنَزَّلِ، عَلٰى لِسَانِ نَبِيِّكَ الْمُرْسَلِ، يَمْحُوا اللّٰهُ مَا يَشَآءُ وَيُثْبِتُ وَعِنْدَهٗ اُمُّ الْكِتٰبِ، اِلٰهِيْ بِالتَّجَلِّي الْاَعْظَمِ، فِيْ لَيْلَةِ النِّصْفِ مِنْ شَهْرِ شَعْبَانَ الْمُكَرَّمِ، اَلَّتِيْ يُفْرَقُ فِيْهَا كُلُّ اَمْرٍ حَكِيْمٍ وَّيُبْرَمُ، اَنْ تَكْشِفَ عَنَّا مِنَ الْبَلَآءِ وَالْبَلْوَآءِ مَا نَعْلَمُ وَمَا لَا نَعْلَمُ، وَ اَنْتَ بِهٖ اَعْلَمُ، اِنَّكَ اَنْتَ الْاَعَزُّ الْاَكْرَمُ، وَصَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى سَيِّدِنَا مُحَمَّدٍ وَّعَلٰى اٰلِهٖ وَاَصْحَابِهٖ وَسَلَّمَ، وَالْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِيْنَ

Allahumma Yaa Dhal-manni wa laa yamunnu 'alayh, Yaa Dhal-jalaali wal-ikraam, Yaa Dhat-tawli wal-'in'aam. Laa'ilaha-illa Anta Dhahrul laajiinaa, wa-jaar ul-mustajiirina, wa Amaanul khaa-'ifiin. Allaahumma in-kunta katabtani 'indaka fi 'ummil-kitaabi shaqiyyan 'aw mahruman 'aw matrudan 'aw muqattaran 'alayyna fir-rizqi famhu. Allahumma bi-fadlika shaqawati wa hirmani wa tardii waqtitara rizqi, wa'asbitni 'indaka fii 'ummil kitaabi sa'idam-marzuqam muwaffaqal lil-khayrati, fa-innaka qulta wa-qawlukal-haqqu, fii kitabikal munzali, 'alalisani Nabiyyikal-Mursali, yamhullahu maa yashaa-'u wa yusbitu wa 'indahu 'ummul kitaab 'Ilaahi bit- tajallyil-'a-zami, fii laylatinnisfi min shahri sha'banal-Mukarrami, 'allatii yufraqu fihaa kullu 'amrin hakiiminw-wa yubramu, 'an takshifa 'anna minal-bala-'i wal balwa-'i maa na'lamu wa maa laa na 'lamu, wa Anta bi-hii 'a'lam. Innaka Antal-'a'azzul-Akram. Wa-salAllahu ta'ala 'alaa sayyidina Muhammaddiw wa'ala 'alihii wa sahbihi wa sallama Wal-Hamdu lillaahi Rabbil-Aalameen.

O Allah! You shower favours on everyone And no one can do You any favour. O The Possessor of Majesty and Honour, O The Distributor of bounty and rewards, There is no one worthy of worship except You. You help the fallen And provide refuge to the refugees And give peace to those who are in fear. O Allah! If in the Mother of All Books that is with You You have written me down as someone who is Doubtful of achieving salvation, or deprived, Or rejected or without enough sustenance, Then, O Allah, with Your Grace Remove all of these misfortunes from me and in the Mother of All Books that is with You, establish me as someone who is blessed, with abundant provision and charitable good deeds. Indeed, what You said in The Book You sent Through the tongue of Your Blessed Prophet is true That Allah changes and establishes what He wants and with Him is the Mother of All Books. O My Lord! For the sake of Your Divine Manifestation On this fifteenth night of the blessed month of Sha'ban In which You issue all Wise and Irrevocable Decrees Remove from us all calamities and hardships, those that we know about as well as those that we don't, while You know everything. Truly, You are the Most Powerful, Most Generous. And may Allah the Exalted shower blessings and peace on Sayyidina Muhammad, and on his family and his companions And

@MaksudYusuf

Lailatul Bara'at

The Night of Forgiveness

Allah, the Almighty and Supreme, has bestowed great virtue and magnificence upon the Night of Blessings. Allah, the Exalted, showers boundless mercy and blessings on this sacred night. The Noble Prophet ﷺ, the illuminated leader and intercessor of nations, has guided that on this night, Allah, the Blessed and Exalted, descends with majestic grandeur towards the heavens of the world. He grants forgiveness in abundance, even more than the hairs on the backs of the sheep of the Banu Kalb tribe.

After Maghrib pray six Rakats of Nafl Salaah as three sets of two rakats.

First two Rakat with the intention **to receive a long life through Barkat.**

Second two Rakat with the intention **to be saved from all types of problems.**

Last two Rakats with the intention for **Allah Ta'ala to make you independent of needing anyone besides Him.**

After each set of Rakats, recite or listen to Surah Yaseen once, followed by Dua-e-Nisf Shaban:

اَللّٰهُمَّ يَا ذَا الْمَنِّ وَلَا يُمَنُّ عَلَيْهِ، يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ يَا ذَا الطَّوْلِ وَالْاِنْعَامِ، لَآ اِلٰهَ اِلَّآ اَنْتَ ظَهْرُ اللَّاجِيْنَ، وَجَارُ الْمُسْتَجِيْرِيْنَ، وَاَمَانُ الْخَآئِفِيْنَ، اَللّٰهُمَّ اِنْ كُنْتَ كَتَبْتَنِيْ عِنْدَكَ فِيْ اُمِّ الْكِتٰبِ شَقِيًّا اَوْ مَحْرُوْمًا اَوْ مَطْرُوْدًا اَوْ مُقَتَّرًا عَلَيَّ فِي الرِّزْقِ فَامْحُ، اَللّٰهُمَّ بِفَضْلِكَ شَقَاوَتِيْ وَحِرْمَانِيْ وَطَرْدِيْ وَاقْتِتَارَ رِزْقِيْ، وَاَثْبِتْنِيْ عِنْدَكَ فِيْ اُمِّ الْكِتٰبِ سَعِيْدًا مَّرْزُوْقًا مُّوَفَّقًا لِّلْخَيْرَاتِ، فَاِنَّكَ قُلْتَ وَقَوْلُكَ الْحَقُّ فِيْ كِتَابِكَ الْمُنَزَّلِ، عَلٰى لِسَانِ نَبِيِّكَ الْمُرْسَلِ، يَمْحُوا اللّٰهُ مَا يَشَآءُ وَيُثْبِتُ وَعِنْدَهٗ اُمُّ الْكِتٰبِ، اِلٰهِيْ بِالتَّجَلِّي الْاَعْظَمِ، فِيْ لَيْلَةِ النِّصْفِ مِنْ شَهْرِ شَعْبَانَ الْمُكَرَّمِ، اَلَّتِيْ يُفْرَقُ فِيْهَا كُلُّ اَمْرٍ حَكِيْمٍ وَّيُبْرَمُ، اَنْ تَكْشِفَ عَنَّا مِنَ الْبَلَآءِ وَالْبَلْوَآءِ مَا نَعْلَمُ وَمَا لَا نَعْلَمُ، وَاَنْتَ بِهٖ اَعْلَمُ، اِنَّكَ اَنْتَ الْاَعَزُّ الْاَكْرَمُ، وَصَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى سَيِّدِنَا مُحَمَّدٍ وَّعَلٰى اٰلِهٖ وَاَصْحَابِهٖ وَسَلَّمَ، وَالْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِيْنَ

Additional Sunnahs for This Night

Fasting on the 15th of Sha'ban is recommended, as it is the Sunnah of Rasulullah ﷺ. If possible, fast on both the 14th and 15th to enter this blessed night in a state of fasting. Visiting the graveyard to make Dua for the forgiveness of the deceased is also Sunnah. May Allah accept our prayers and grant us His mercy and forgiveness on this special night. Ameen.

@MaksudYusuf

Lailatul Bara'at

The Night of Forgiveness

One should perform fresh Ghusl and Wudhu before engaging in two Rak'ahs of Tahiyyatul Wudhu

On the 14th of Sha'ban, before sunset, one is encouraged to engage in Durood Sharif, Istighfar, and Tasbeeh as much as possible.

اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى سَيِّدِنَا وَ مَوْلَانَا مُحَمَّدٍ
مَّعْدِنِ الْجُوْدِ وَ الْكَرَمِ وَ اٰلِهٖ وَ بَارِكْ وَ سَلِّمْ

Allahumma Salli'ala Sayyedena Wa Mawlana Muhammadim
Ma'adanil Judi Wal'karami Wa Aalihi Wabarik Wasallim.

After Asr Salah, the following supplication should be recited 70 times:

اَسْتَغْفِرُ اللّٰهَ الَّذِیْ لَآ اِلٰهَ اِلَّا هُوَ الْحَیُّ الْقَیُّوْمُ وَ اَتُوْبُ اِلَیْهِ

Astaghfirullahalladhi Laailaha-illa
Huwal Hayyul Qayyumu Wa Atubo Elayh.

Before sunset on the 14th of Sha'ban, one should recite the following supplication forty times and send blessings (Durood Sharif) one hundred times.
Engaging in this practice is said to result in the forgiveness of sins equivalent to forty years. As a reward, forty maidens are promised for service in Paradise. (Miftah al-Jinan)

لَا حَوْلَ وَلَا قُوَّةَ اِلَّا بِاللّٰهِ الْعَلِیِّ الْعَظِیْمِ

Laa Hawla Wala Quwwata Ella Billahil Aliyyil Azeem

@MaksudYusuf

Naat Sharif Lyrics

Shab E Barat Namaz Shab E Barat Ki Ibadat Ka Tarika

Hazrat Abu Muhammad Imam Hasan Al Mujtaba Biography

Dua Karo Mera Noore Nazar Noha Lyrics

popular posts

NAAT SHARIF LYRICS

Best Urdu Poetry and Ghazal Collection

MANQABAT LYRICS, NAAT LYRICS

Hume Naaz Hai Bas Tujh Par Khwaja O More Khwaja Manqabat Lyrics

NAAT SHARIF LYRICS, SALAM LYRICS

Kabe Ke Badrudduja Tum Pe Karoron Durud Lyrics

NAAT SHARIF LYRICS

Madine ke Aaqa Salamun Alaik Lyrics

NAAT SHARIF LYRICS

Mahboob E Haq Ke Dilbar Khawaja Salam Le Lo Lyrics

NAAT SHARIF LYRICS

Har Ek Dil Me Karbala Basa Diya Hussain Ne Lyrics

NAAT SHARIF LYRICS

आँखे भीगो के दिलको हिला कर चले गए,

NAAT SHARIF LYRICS

Jo Ho Chuka Hai Jo Hoga Huzur Jante Hen Naat Lyrics

MANQABAT LYRICS

DELHI RAJASTHAN TUMHARA YA KHWAJA NAAT LYRICS

NAAT LYRICS

Dariya Hai Hamara Noha Lyrics

Leave a Comment

Logged in as Naat Raza. Edit your profile. Log out? Required fields are marked *

Post Comment

Search

Search

Recent Posts

dil-main-ishqe-nabi-ki-no-aesi-lagan-naat-lyrics

پھر-کے-گلی-گلی-تباہ-ٹھوکریں-سب-کی-کھائے

zamana-chute-hum-na-chodenge-dare-garib-nawaz-lyrics

छोड़ फ़िक्र दुनिया की, चल मदीने चलते हैं / Chhod Fikr Duniya Ki, Chal Madine Chalte Hain

ehbaab-ki-soorat-ho-ke-agheyaar-ki-soorat-lyrics

Ala Hazrat Naat Lyrics

biography

Blog

darse nizami examination pepar

dua

fazilat

Hamd Lyrics

islamic-articles

khamesa

Manqabat Ghouse Azam

Manqabat Khuwaja Ghareeb Nawaz

Manqabat Lyrics

manqabat-e-garib-nawaz

manqabat-ghous-e-azam

manqabat-imam-hussain

manqabat-mola-ali

muharram-naat-lyrics

Naat Lyrics

Naat Lyrics in English

Naat Lyrics in Gujarati

Naat Lyrics in Hindi

Naat Sharif Lyrics

Owais Raza Qadri Naat Lyrics

Qawwali Lyrics

quran-in-roman-english

rabiya

Salam Lyrics

salesa

Tech

Tools

Tech

Yaseen Sharif

Webtools

Domain

SEOTools

Stories

Biolinks

Books

Salam Lyrics

Hamd Lyrics

Naat Lyrics in Hindi

Naat Lyrics in English

Qawwali Lyrics

Tags

darse nizami examination pepar

Yaseen Sharif

Home

Naat Lyrics

Quran in Roman English

Sitemap

Urdu PDF Books

Naat Khawan

Owais Raza Qadri Naat Lyrics

Siddique Ismail Naat Lyrics

Waheed Zafar Qasmi Naat Lyrics

Hafiz Ahmed Raza Qadri Naat Lyrics

Syed Fasihuddin Soharwardi Naat Lyrics

Khursheed Ahmed Naat Lyrics

Hafiz Tahir Qadri Naat Lyrics

Farhan Ali Qadri Naat Lyrics

© 2025 Barkate Raza • Built with GeneratePress